नशा मुक्त भारत अभियान

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

लोकसंकल्प

नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन

नशे को नहीं, संस्कारों को सामाजिक स्वीकृति

विद्यालय, शिक्षक और नशामुक्त सामाजिक परिवर्तन

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज

loksankalp.org

लोकसंकल्प पुस्तिका

विद्यालय, शिक्षक और नशामुक्त सामाजिक परिवर्तन

शिक्षक : परिवर्तन दूत से जन-आंदोलन तक

आवरण संदेश

“शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, समाज की दिशा भी निर्धारित करते हैं।”

“विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला है।”

“यदि शिक्षक संकल्प लें, तो नशे की सामाजिक स्वीकृति को चुनौती देने वाला एक व्यापक जन-आंदोलन खड़ा किया जा सकता है।”

www.loksankalp.org

विषय-सूची

	समर्पण	3
	प्रस्तावना	3
1	अध्याय 1 : शिक्षक : सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत	3
2	अध्याय 2 : नशे की चुनौती : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण	3
3	अध्याय 3 : विद्यालय : नशामुक्त समाज की प्रयोगशाला	4
4	अध्याय 4 : नशे की सामाजिक स्वीकृति : सबसे बड़ी चुनौती	4
5	अध्याय 5 : शिक्षक और प्रारंभिक पहचान	5
6	अध्याय 6 : विद्यार्थियों से संवाद : डर नहीं, विश्वास	5
7	अध्याय 7 : Good Parenting और विद्यालय की साझेदारी	6
8	अध्याय 8 : युवा सशक्तिकरण : नशामुक्ति से आगे	6
9	अध्याय 9 : विद्यालय आधारित लोकसंकल्प क्लब	7
10	अध्याय 10 : शिक्षक दिवस और ग्राम लोकसंकल्प सभा	7
11	अध्याय 11 : ग्राम लोकसंकल्प समिति	8
12	अध्याय 12 : नशे की मनुहार नहीं, संस्कारों का सत्कार	8
13	अध्याय 13 : शिक्षक परिवर्तन दूत मॉडल	8
	परिशिष्ट 1 : शिक्षक संकल्प	9
	लोकसंकल्प : एक परिचय	9
14	अध्याय 14 : नशामुक्ति का समाजशास्त्रीय आधार	10
15	अध्याय 15 : लोकसंकल्प का परिवर्तन मॉडल	10
	विशेष परिशिष्ट : शिक्षक दिवस ग्राम लोकसंकल्प सभा का संदेश	11

समर्पण

यह पुस्तिका उन लाखों शिक्षकों को समर्पित है जो केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि समाज का भविष्य गढ़ते हैं।

यह उन विद्यार्थियों को समर्पित है जो स्वस्थ, जागरूक और उत्तरदायी भारत के निर्माता हैं।

और यह उन अभिभावकों तथा समुदायों को समर्पित है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नशामुक्त सामाजिक वातावरण निर्माण का संकल्प लेते हैं।

प्रस्तावना

किसी भी समाज का भविष्य उसके विद्यालयों में आकार लेता है। विद्यालय केवल ज्ञान प्रदान करने की संस्था नहीं है, बल्कि वह स्थान है जहाँ व्यक्तित्व, मूल्य, आदतें, सामाजिक चेतना और जीवन-दृष्टि विकसित होती है। यदि परिवार पहली पाठशाला है तो शिक्षक समाज के प्रथम सामाजिक अभियंता हैं।

इतिहास साक्षी है कि जब भी समाज किसी बड़ी चुनौती के सामने खड़ा हुआ है, शिक्षकों ने परिवर्तन के वाहक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साक्षरता अभियान, स्वच्छता आंदोलन, बाल विवाह उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, मतदाता जागरूकता और महिला शिक्षा जैसे अनेक सामाजिक अभियानों में शिक्षकों का योगदान निर्णायक रहा है।

www.loksankalp.org

आज भारत एक ऐसी सामाजिक चुनौती का सामना कर रहा है जो केवल स्वास्थ्य या कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। नशे का बढ़ता प्रसार युवाओं, परिवारों और समुदायों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। इस चुनौती का समाधान केवल उपचार, पुनर्वास या कानून के माध्यम से संभव नहीं है। आवश्यकता उस सामाजिक वातावरण को बदलने की है जहाँ नशा सामान्य, स्वीकार्य और कभी-कभी सम्मानजनक व्यवहार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

लोकसंकल्प इसी विश्वास पर आधारित एक सामाजिक पहल है कि नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी और टिकाऊ संघर्ष सामाजिक स्वीकृति को चुनौती देकर ही लड़ा जा सकता है। और इस परिवर्तन के केंद्र में शिक्षक तथा विद्यालय सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यह पुस्तिका शिक्षकों, विद्यालयों, अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा समुदाय के लिए एक मार्गदर्शिका है। इसका उद्देश्य केवल नशे के दुष्परिणाम बताना नहीं, बल्कि ऐसा सकारात्मक सामाजिक वातावरण निर्मित करना है जिसमें स्वस्थ जीवन शैली, संवाद, संस्कार, सामुदायिक सहभागिता और उत्तरदायित्व को बढ़ावा मिले।

1 अध्याय 1 : शिक्षक : सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत

“एक शिक्षक का प्रभाव अनंत होता है; वह कभी नहीं जान सकता कि उसका प्रभाव कहाँ तक पहुँचेगा।”

समाज में अनेक संस्थाएँ कार्य करती हैं, किन्तु शिक्षक की भूमिका विशिष्ट होती है। शिक्षक प्रतिदिन बच्चों और युवाओं के संपर्क में रहते हैं, अभिभावकों का विश्वास प्राप्त करते हैं तथा समुदाय में नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि नई पीढ़ी की सोच, व्यवहार और जीवन-दृष्टि का निर्माण करते हैं।

एक शिक्षक का प्रभाव कक्षा की चार दीवारों तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव परिवार तक पहुँचता है, समुदाय तक पहुँचता है, गाँव तक पहुँचता है और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचता है।

शिक्षक की पाँच प्रमुख भूमिकाएँ

ज्ञानदाता · मार्गदर्शक · आदर्श व्यक्तित्व · समुदाय नेता · परिवर्तन प्रेरक

समाजशास्त्र में शिक्षक को सामाजिक परिवर्तन का अभिकर्ता (Agent of Social Change) माना जाता है। वह केवल सामाजिक मूल्यों का संवाहक नहीं, बल्कि आवश्यक होने पर सामाजिक परिवर्तन का प्रेरक भी होता है। जब शिक्षक किसी सामाजिक मुद्दे पर सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो उसका प्रभाव पूरे समुदाय पर पड़ता है।

इसीलिए लोकसंकल्प शिक्षक को केवल अध्यापक नहीं, बल्कि “परिवर्तन दूत” मानता है।

2 अध्याय 2 : नशे की चुनौती : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

“समस्या व्यक्ति में नहीं, कभी-कभी उस सामाजिक वातावरण में होती है जो समस्या को सामान्य बना देता है।”

अक्सर नशे को केवल व्यक्तिगत कमजोरी या चरित्रगत दोष के रूप में देखा जाता है। लेकिन समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशा अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक,

आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारकों का परिणाम होता है।

नशे को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं—

सामाजिक स्वीकृति **पारिवारिक वातावरण** **मित्र समूह** **बेरोजगारी** **तनाव** **मानसिक स्वास्थ्य** **डिजिटल प्रभाव** **अवसरों की कमी** **भविष्य की अनिश्चितता** **सामाजिक अलगाव**

इसीलिए नशामुक्ति का अर्थ केवल "नशा मत करो" कहना नहीं है। वास्तविक नशामुक्ति का अर्थ ऐसा सामाजिक वातावरण तैयार करना है जिसमें व्यक्ति को नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो।

विद्यालय इस दिशा में सबसे प्रभावी संस्था बन सकता है क्योंकि अधिकांश सामाजिक व्यवहार किशोरावस्था में विकसित होते हैं और अधिकांश नशों की शुरुआत भी इसी आयु में होती है।

3 अध्याय 3 : विद्यालय : नशामुक्त समाज की प्रयोगशाला

"विद्यालय केवल करियर नहीं बनाते, चरित्र भी बनाते हैं।"

विद्यालय वह स्थान है जहाँ भविष्य तैयार होता है। यहाँ केवल विषयों का अध्ययन नहीं होता, बल्कि जीवन जीने की कला, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन, सहयोग और नागरिकता के मूल्य भी विकसित होते हैं। इस दृष्टि से विद्यालय नशामुक्त समाज निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है।

यदि विद्यालय सकारात्मक, संवादपरक और रचनात्मक संस्कृति विकसित कर दे तो अनेक सामाजिक समस्याएँ प्रारंभ होने से पहले ही रोकी जा सकती हैं। विशेष रूप से किशोरावस्था में विद्यार्थी जिन आदतों, मित्र समूहों और जीवन मूल्यों को अपनाते हैं, वे आगे चलकर उनके व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

नशामुक्त विद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ

- ✔ स्वच्छ और प्रेरक वातावरण
- ✔ खेल संस्कृति
- ✔ पुस्तक एवं पठन संस्कृति
- ✔ संवाद और सहभागिता की संस्कृति
- ✔ परामर्श व्यवस्था
- ✔ सक्रिय सहशैक्षिक गतिविधियाँ
- ✔ विद्यार्थी नेतृत्व को प्रोत्साहन

लोकसंकल्प का एक सरल सूत्र है—

> **"व्यस्त विद्यार्थी, सुरक्षित विद्यार्थी।"**

जब विद्यार्थी खेल, कला, साहित्य, विज्ञान, नवाचार, स्वयंसेवा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय होते हैं तो जोखिमपूर्ण व्यवहारों की संभावना स्वाभाविक रूप से कम हो जाती है।

विद्यालयों को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित न रहकर जीवन निर्माण के केंद्र के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है।

4 अध्याय 4 : नशे की सामाजिक स्वीकृति : सबसे बड़ी चुनौती

"जब समाज प्रश्न पूछना शुरू करता है, तब परिवर्तन शुरू होता है।"

लोकसंकल्प का मूल विश्वास है कि नशे का प्रसार केवल उपलब्धता से नहीं, बल्कि उसकी सामाजिक स्वीकृति से भी जुड़ा हुआ है। कई बार समाज में कुछ व्यवहार इतने सामान्य हो जाते हैं कि लोग उनके दुष्परिणामों पर विचार करना ही बंद कर देते हैं।

कई क्षेत्रों में विवाह, सामाजिक समारोहों, मेलों अथवा अन्य अवसरों पर तंबाकू, शराब या अन्य नशीले पदार्थों की पेशकश को सम्मान और आतिथ्य का प्रतीक माना जाता है। यही सामाजिक स्वीकृति नशे की समस्या को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती है।

विद्यालय इस मानसिकता को बदलने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं।

विद्यार्थियों से निम्न प्रश्नों पर चर्चा की जा सकती है—

> **क्या तंबाकू सम्मान की वस्तु है?**

www.loksankalp.org

- क्या विवाह में नशा परोसना आवश्यक है?
- क्या धूम्रपान आधुनिकता का प्रतीक है?
- क्या सफलता का अर्थ शराब सेवन है?
- क्या आतिथ्य का अर्थ व्यसन है?

जब बच्चे और युवा इन प्रश्नों पर विचार करते हैं तो वे सामाजिक मान्यताओं को आलोचनात्मक दृष्टि से समझना सीखते हैं। यहीं से परिवर्तन की शुरुआत होती है।

5 अध्याय 5 : शिक्षक और प्रारंभिक पहचान

"समय पर पहचानी गई समस्या, आधी हल हो जाती है।"

कई बार किसी विद्यार्थी के व्यवहार में आने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों को सबसे पहले शिक्षक ही देख पाते हैं। इसलिए नशे की रोकथाम में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

किन संकेतों पर ध्यान दिया जा सकता है?

शैक्षणिक संकेत

- अचानक प्रदर्शन में गिरावट
- नियमित अनुपस्थिति
- पढ़ाई में रुचि कम होना

व्यवहारिक संकेत

- चिड़चिड़ापन
- आक्रामकता
- उदासीनता

सामाजिक संकेत

- मित्र समूह में अचानक बदलाव
- सामाजिक अलगाव
- विद्यालयी गतिविधियों से दूरी

स्वास्थ्य संबंधी संकेत

- लगातार थकान
- असामान्य व्यवहार
- एकाग्रता में कमी

महत्वपूर्ण बात यह है कि हर परिवर्तन नशे का संकेत नहीं होता। लेकिन संवेदनशीलता, सतर्कता और समय पर संवाद कई समस्याओं को गंभीर होने से पहले रोक सकते हैं।

6 अध्याय 6 : विद्यार्थियों से संवाद : डर नहीं, विश्वास

"संवाद वह पुल है जो समस्या और समाधान को जोड़ता है।"

नशामुक्ति शिक्षा का उद्देश्य भय उत्पन्न करना नहीं, बल्कि जागरूकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक निर्णय क्षमता विकसित करना है।

शोध बताते हैं कि विश्वास आधारित संवाद, डर आधारित शिक्षा की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी होता है।

प्रभावी संवाद के पाँच सिद्धांत

www.loksankalp.org

- ✔ सम्मान
- ✔ धैर्य
- ✔ सुनना
- ✔ तथ्य आधारित जानकारी
- ✔ सकारात्मक दृष्टिकोण

क्या करें?

- ✔ प्रश्न पूछें
- ✔ उदाहरण दें
- ✔ चर्चा करें
- ✔ सुनें
- ✔ समाधान सुझाएँ

क्या न करें?

- ✗ अपमान
- ✗ डराना
- ✗ लेबल लगाना
- ✗ सार्वजनिक आलोचना

शिक्षक को यह संदेश देना चाहिए—

> **"हम तुम्हें दोषी नहीं मानते, हम तुम्हारी सहायता करना चाहते हैं।"**

ऐसा दृष्टिकोण विद्यार्थियों में विश्वास पैदा करता है और उन्हें सहायता स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है।

www.loksankalp.org

7 अध्याय 7 : Good Parenting और विद्यालय की साझेदारी

"बच्चों को उपदेश कम और उपस्थिति अधिक चाहिए।"

विद्यालय और परिवार बच्चे के विकास के दो सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। यदि दोनों के बीच सकारात्मक सहयोग स्थापित हो जाए तो बच्चों को अनेक जोखिमों से बचाया जा सकता है।

अनेक अध्ययनों में पाया गया है कि माता-पिता और बच्चों के बीच मजबूत जुड़ाव, खुला संवाद और सकारात्मक निगरानी किशोरों को नशे से बचाने वाले महत्वपूर्ण सुरक्षा कारक हैं।

अभिभावकों के लिए पाँच संदेश

बच्चों को समय दें।

नियमित संवाद करें।

ध्यानपूर्वक सुनें।

विश्वास का वातावरण बनाएं।

स्वयं आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करें।

इसके साथ ही विद्यालय अभिभावकों को यह भी प्रेरित कर सकते हैं कि वे—

डिजिटल अनुशासन विकसित करें।

नशे को सामान्य व्यवहार के रूप में प्रस्तुत न करें।

बच्चों को खेल, पुस्तक, कला और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ें।

8 अध्याय 8 : युवा सशक्तिकरण : नशामुक्ति से आगे

"हर युवा में संभावना है; समाज का दायित्व है उसे दिशा देना।"

लोकसंकल्प मानता है कि नशामुक्ति केवल नशे के विरोध का अभियान नहीं है, बल्कि सकारात्मक जीवन विकल्पों के निर्माण का अभियान है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि युवा नशा न करें; आवश्यक यह भी है कि उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के अवसर, प्रेरणा और उद्देश्य मिलें।

कई बार युवा बेरोजगारी, अवसरों की कमी, कौशल के अभाव, डिजिटल तनाव, अकेलेपन और भविष्य की अनिश्चितता के कारण नकारात्मक व्यवहारों

की ओर आकर्षित हो सकते हैं। ऐसे में शिक्षक केवल शिक्षक नहीं रहते, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभाते हैं।

शिक्षक युवाओं को निम्न क्षेत्रों से जोड़ सकते हैं—

कौशल विकास **करियर मार्गदर्शन** **उद्यमिता** **खेल गतिविधियाँ** **समाज सेवा** **पर्यावरण संरक्षण** **स्वयंसेवी नेतृत्व**

जब युवाओं को सकारात्मक दिशा, उद्देश्य और अवसर प्राप्त होते हैं, तब वे केवल नशे से दूर नहीं रहते, बल्कि समाज परिवर्तन के सक्रिय सहभागी भी बनते हैं।

9 अध्याय 9 : विद्यालय आधारित लोकसंकल्प क्लब

"नेतृत्व अवसर मिलने से नहीं, जिम्मेदारी मिलने से विकसित होता है।"

नशामुक्ति को एक बार के कार्यक्रम के बजाय निरंतर सामाजिक प्रक्रिया बनाने के लिए प्रत्येक विद्यालय में लोकसंकल्प क्लब का गठन किया जा सकता है। यह क्लब विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के बीच सेतु का कार्य करेगा।

www.loksankalp.org

संभावित सदस्य

- शिक्षक प्रतिनिधि
- विद्यार्थी प्रतिनिधि
- विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) सदस्य
- अभिभावक प्रतिनिधि
- सामाजिक कार्यकर्ता

प्रमुख गतिविधियाँ

- ✔ नशामुक्ति अभियान
- ✔ पुस्तक चर्चा
- ✔ करियर मार्गदर्शन
- ✔ खेल गतिविधियाँ
- ✔ सामाजिक सेवा
- ✔ ग्राम संवाद

लोकसंकल्प क्लब विद्यालय में सकारात्मक नेतृत्व विकसित करने का मंच बन सकता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को केवल जागरूक नहीं बल्कि परिवर्तन का सहभागी बनाया जा सकता है।

10 अध्याय 10 : शिक्षक दिवस और ग्राम लोकसंकल्प सभा

"जब गाँव संवाद करता है, तब समाज बदलता है।"

शिक्षक दिवस केवल सम्मान का अवसर नहीं है। यह समाज निर्माण के प्रति शिक्षक की भूमिका को पुनः स्थापित करने का अवसर भी है। इसी भावना के साथ लोकसंकल्प ने शिक्षक दिवस को ग्राम लोकसंकल्प सभाओं से जोड़ने का आह्वान किया है।

10.1 लोकसंकल्प सभा क्या है?

लोकसंकल्प सभा एक सामुदायिक संवाद मंच है जहाँ विद्यालय, अभिभावक, विद्यार्थी, युवा, पंचायत प्रतिनिधि, महिलाएँ और समाज के अन्य सदस्य एकत्र होकर नशे की सामाजिक स्वीकृति को समाप्त करने तथा स्वस्थ सामाजिक परंपराओं को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लेते हैं।

यह किसी राजनीतिक या औपचारिक सभा का स्वरूप नहीं है। यह समाज के आत्ममंथन, संवाद और सामूहिक उत्तरदायित्व का मंच है।

लोकसंकल्प सभा के उद्देश्य

- नशे की सामाजिक स्वीकृति पर चर्चा
- स्वस्थ सामाजिक परंपराओं को प्रोत्साहन
- अभिभावकों और युवाओं के बीच संवाद
- ग्राम स्तर पर जनसहभागिता विकसित करना
- नशामुक्ति को सामाजिक आंदोलन बनाना

संभावित कार्यक्रम

- स्वागत एवं भूमिका
- सामूहिक संकल्प

- लोकसंकल्प परिचय
- शिक्षक दिवस संदेश
- युवाओं और अभिभावकों का संवाद
- ग्राम समिति का गठन
- अनुवर्ती गतिविधियों की घोषणा

11 अध्याय 11 : ग्राम लोकसंकल्प समिति

"संगठन से सहभागिता और सहभागिता से परिवर्तन जन्म लेता है।"

लोकसंकल्प सभा के बाद निरंतरता बनाए रखने के लिए ग्राम स्तर पर एक समिति का गठन किया जा सकता है। यह समिति नशामुक्ति से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करेगी।

संभावित संरचना

प्रधानाचार्य | शिक्षक प्रतिनिधि | महिला प्रतिनिधि | युवा प्रतिनिधि | विद्यार्थी प्रतिनिधि | पंचायत प्रतिनिधि | सामाजिक कार्यकर्ता

प्रमुख कार्य

- ✔ मासिक बैठक
- ✔ जनजागरण गतिविधियाँ
- ✔ नशामुक्त आयोजनों को प्रोत्साहन
- ✔ सहायता एवं परामर्श हेतु मार्गदर्शन
- ✔ सफलता कहानियों का दस्तावेजीकरण
- ✔ गतिविधियों का नियमित अद्यतन

www.loksankalp.org

12 अध्याय 12 : नशे की मनुहार नहीं, संस्कारों का सत्कार

"सम्मान वह है जो जीवन को बेहतर बनाए, न कि उसे व्यसन की ओर ले जाए।"

लोकसंकल्प का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि समाज को उन परंपराओं पर पुनर्विचार करना चाहिए जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नशे को सम्मान और स्वीकार्यता प्रदान करती हैं।

कई स्थानों पर विवाह, मृत्युभोज, सामाजिक समारोहों अथवा अतिथि सत्कार में तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों की पेशकश को परंपरा का हिस्सा मान लिया गया है। लोकसंकल्प स्पष्ट रूप से मानता है कि ऐसी प्रथाएँ समाज के स्वास्थ्य और भविष्य के हित में नहीं हैं।

सम्मान वह है जो व्यक्ति और समाज को सशक्त बनाए, न कि उसे व्यसन की ओर ले जाए।

इसलिए शिक्षक समाज के बीच यह संदेश ले जा सकते हैं—

भोजन परोसिए। | प्रेम परोसिए। | संस्कार परोसिए। | पौधा परोसिए। | लेकिन नशा मत परोसिए।

13 अध्याय 13 : शिक्षक परिवर्तन दूत मॉडल

"परिवर्तन की शुरुआत हमेशा किसी एक व्यक्ति के संकल्प से होती है।"

लोकसंकल्प प्रत्येक शिक्षक को परिवर्तन दूत के रूप में देखता है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन का नेतृत्वकर्ता भी है।

परिवर्तन दूत के दस संकल्प

- ✔ स्वयं नशामुक्त जीवन जीना
- ✔ सकारात्मक भाषा का प्रयोग करना
- ✔ विद्यार्थियों से नियमित संवाद करना
- ✔ अभिभावक सहभागिता बढ़ाना
- ✔ ग्राम गतिविधियों में भागीदारी करना
- ✔ युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करना
- ✔ खेल और संस्कृति को बढ़ावा देना
- ✔ डिजिटल संतुलन का संदेश देना
- ✔ नशे की सामाजिक स्वीकृति का विरोध करना
- ✔ गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना

सनद रहे -

एक कानून अपराधी को दंडित कर सकता है।

एक चिकित्सक उपचार दे सकता है।

एक पुनर्वास केंद्र किसी व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।

किन्तु एक शिक्षक भविष्य बदल सकता है।

यदि भारत का प्रत्येक शिक्षक वर्ष में केवल एक ग्राम लोकसंकल्प सभा आयोजित करे, यदि प्रत्येक विद्यालय नियमित नशामुक्ति संवाद चलाए, यदि प्रत्येक शिक्षक कुछ युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करे, तो समाज में परिवर्तन की एक विशाल लहर उत्पन्न हो सकती है।

नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकार, पुलिस या स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। और इस साझा प्रयास में शिक्षक सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी शक्ति बन सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

शोध बताते हैं कि किशोरावस्था में विकसित होने वाली आदतें और व्यवहार जीवन भर व्यक्ति के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। इसलिए विद्यालय नशे की रोकथाम का सबसे महत्वपूर्ण मंच बन सकते हैं।

www.loksankalp.org

परिशिष्ट 1 : शिक्षक संकल्प

“मैं शिक्षक होने के नाते केवल ज्ञान प्रदान नहीं करूँगा/करूँगी, बल्कि स्वस्थ, संस्कारित और नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाऊँगा/निभाऊँगी। मैं विद्यार्थियों, अभिभावकों और समुदाय के साथ मिलकर नशे की सामाजिक स्वीकृति समाप्त करने तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास करूँगा/करूँगी।”

लोकसंकल्प शिक्षक मंत्र

> **“एक शिक्षक, सौ परिवार, हजार जीवन।”**

> **“विद्यालय से गाँव, गाँव से समाज।”**

> **“शिक्षक बदलेगा, तो भविष्य बदलेगा।”**

लोकसंकल्प : एक परिचय

भारत में नशामुक्ति के अधिकांश प्रयास उपचार, परामर्श, पुनर्वास और कानून-प्रवर्तन पर केंद्रित रहे हैं। इन प्रयासों का अपना महत्व है, किंतु नशे की समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष अक्सर चर्चा से बाहर रह जाता है—नशे की सामाजिक स्वीकृति।

जब किसी समाज में तंबाकू, शराब या अन्य नशीले पदार्थों का उपयोग सामान्य, स्वीकार्य अथवा सम्मानजनक व्यवहार के रूप में देखा जाने लगता है, तब नशा केवल व्यक्तिगत आदत नहीं रहता बल्कि सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन जाता है।

लोकसंकल्प इसी बिंदु पर कार्य करता है।

लोकसंकल्प का मूल संदेश है—

> **“नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी संघर्ष उसकी सामाजिक स्वीकृति को चुनौती देने से शुरू होता है।”**

लोकसंकल्प किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन सामाजिक मान्यताओं और व्यवहारों के विरुद्ध एक जन-जागरण अभियान है जो नशे को बढ़ावा देते हैं।

इस अभियान का उद्देश्य है—

- सामाजिक संवाद को प्रोत्साहित करना
- विद्यालयों को सामाजिक परिवर्तन का केंद्र बनाना

- स्वस्थ सामाजिक परंपराओं को बढ़ावा देना
- युवाओं को सकारात्मक विकल्पों से जोड़ना
- नशामुक्ति को जन-आंदोलन का स्वरूप देना

लोकसंकल्प का विश्वास है कि जब शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, पंचायतें और समुदाय एक साथ खड़े होंगे, तब नशे के विरुद्ध स्थायी सामाजिक परिवर्तन संभव होगा।

14 अध्याय 14 : नशामुक्ति का समाजशास्त्रीय आधार

नशे की समस्या को समझने के लिए केवल चिकित्सा दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है। यह एक सामाजिक, सांस्कृतिक और संरचनात्मक समस्या भी है।

समाजशास्त्र हमें बताता है कि व्यक्ति का व्यवहार केवल उसकी व्यक्तिगत पसंद का परिणाम नहीं होता, बल्कि वह परिवार, मित्र समूह, समुदाय, संस्कृति और सामाजिक परिस्थितियों से भी प्रभावित होता है।

सामाजिक अधिगम (Social Learning)

बच्चे और युवा अपने आसपास के व्यवहारों को देखकर सीखते हैं।

यदि वे देखते हैं कि—

- परिवार में तंबाकू सामान्य है,
- सामाजिक आयोजनों में शराब सम्मान का प्रतीक है,
- मित्र समूह नशे को आधुनिकता से जोड़ता है,
- तो नशा उनके लिए सामान्य व्यवहार बन सकता है।

www.loksankalp.org

सामाजिक मानदंड (Social Norms)

कई बार व्यक्ति इसलिए नशा करता है क्योंकि उसे लगता है कि समाज उससे यही अपेक्षा करता है।

लोकसंकल्प का प्रयास इन सामाजिक मानदंडों को बदलना है।

सामाजिक पूंजी (Social Capital)

जहाँ परिवार, समुदाय और विद्यालय के बीच मजबूत संबंध होते हैं, वहाँ नशे की संभावना अपेक्षाकृत कम पाई जाती है।

इसीलिए लोकसंकल्प—

- संवाद,
- सहभागिता,
- सामुदायिक नेतृत्व,
- और सामाजिक उत्तरदायित्व
- को नशामुक्ति का आधार मानता है।
- सकारात्मक विकल्प सिद्धांत

नशे का सबसे प्रभावी विकल्प केवल निषेध नहीं, बल्कि सकारात्मक अवसर हैं।

खेल, कला, साहित्य, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास और समाज सेवा युवाओं को उद्देश्यपूर्ण जीवन की दिशा प्रदान करते हैं।

15 अध्याय 15 : लोकसंकल्प का परिवर्तन मॉडल

लोकसंकल्प का परिवर्तन मॉडल पाँच चरणों पर आधारित है।

चरण 1 : जागरूकता

समस्या को पहचानना।

लोगों को यह समझाना कि नशा केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि सामाजिक समस्या भी है।

चरण 2 : संवाद

समुदाय के भीतर चर्चा प्रारंभ करना।

विद्यालय, ग्राम सभा, अभिभावक बैठक, युवा समूह और महिला समूहों में खुला संवाद।

चरण 3 : संकल्प

व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक संकल्प।

“मैं नशा नहीं करूँगा” से आगे बढ़कर—

> **“हम अपने समाज में नशे की सामाजिक स्वीकृति को स्वीकार नहीं करेंगे।”**

चरण 4 : सहभागिता

सिर्फ शपथ नहीं।

निरंतर गतिविधियाँ—

ग्राम सभा | युवा क्लब | खेल गतिविधियाँ | सांस्कृतिक कार्यक्रम | परिवार संवाद

चरण 5 : सामाजिक परिवर्तन

जब समाज की मान्यताएँ बदलती हैं, तब व्यवहार बदलते हैं।

जब व्यवहार बदलते हैं, तब नई पीढ़ी बदलती है।

और जब नई पीढ़ी बदलती है, तब समाज बदलता है।

www.loksankalp.org

विशेष परिशिष्ट : शिक्षक दिवस ग्राम लोकसंकल्प सभा का संदेश

प्रिय ग्रामवासियों,

आज हम शिक्षक दिवस के अवसर पर केवल शिक्षकों का सम्मान करने के लिए एकत्रित नहीं हुए हैं। हम अपने गांव, अपने परिवारों और अपने बच्चों के भविष्य के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व व्यक्त करने के लिए भी यहाँ उपस्थित हैं।

हम स्वीकार करते हैं कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, परिवारों को भी प्रभावित करता है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

आज हम यह संकल्प लेते हैं कि—

(सामूहिक संकल्प)

“हम ग्रामवासी यह संकल्प लेते हैं कि अपने परिवार, विद्यालय और समुदाय में स्वस्थ जीवन मूल्यों को बढ़ावा देंगे। हम नशे की सामाजिक स्वीकृति को चुनौती देंगे, युवाओं को सकारात्मक अवसरों से जोड़ेंगे तथा अपने गाँव को नशामुक्त, जागरूक और उत्तरदायी समुदाय बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।”

(अभिभावक संकल्प)

“मैं अपने बच्चों को समय देने, संवाद बनाए रखने, सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने तथा उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रखने के लिए सजग एवं उत्तरदायी भूमिका निभाऊँगा/निभाऊँगी।”

(विद्यार्थी संकल्प)

“मैं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नशे से दूर रहने, अपने मित्रों को भी जागरूक करने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सहभागी बनने का संकल्प लेता/लेती हूँ।”

अंतिम संदेश

नशामुक्त भारत का मार्ग केवल कानून से नहीं, संस्कृति परिवर्तन से होकर जाता है।

संस्कृति परिवर्तन का मार्ग समाज से होकर जाता है।

और समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम शिक्षक है।

लोकसंकल्प के पाँच सूत्र

नशे की सामाजिक स्वीकृति को चुनौती।

विद्यालय से गाँव तक संवाद।

शिक्षक को परिवर्तन दूत।

युवा को समस्या नहीं, समाधान मानना।

जनसहभागिता से स्थायी परिवर्तन।

लोकसंकल्प संदेश

नशा व्यक्ति का नहीं, पूरे परिवार का प्रश्न है।

नशा स्वास्थ्य का नहीं, समाज का भी प्रश्न है।

नशामुक्ति उपचार से नहीं, संस्कृति परिवर्तन से स्थायी बनती है।

लोकसंकल्प का आह्वान

यदि प्रत्येक शिक्षक

एक ग्राम सभा आयोजित करे,

यदि प्रत्येक विद्यालय

एक लोकसंकल्प क्लब बनाए,

यदि प्रत्येक अभिभावक

अपने बच्चों से प्रतिदिन संवाद करे,

यदि प्रत्येक युवा

एक सकारात्मक गतिविधि से जुड़े,

तो नशामुक्त भारत केवल सपना नहीं, वास्तविकता बन सकता है।

अंतिम मंत्र

लोकसंकल्प

- संकल्प से सहभागिता
- सहभागिता से जागरूकता
- जागरूकता से सामाजिक परिवर्तन

> **“विद्यालय से गाँव, गाँव से समाज, समाज से राष्ट्र।”**

> **“शिक्षक बदलेगा, तो भविष्य बदलेगा।”**

> **“नशामुक्त युवा, सशक्त भारत।”**

www.loksankalp.org

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज।

लोकसंकल्प — नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन।

जय हिन्द।

www.loksankalp.org

loksankalp.org · X @loksankalp26 · Facebook /LokSankalp26 · Instagram @loksankalp26

वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें

loksankalp.org

द्वारा

प्रोफ़ेसर श्यामसुन्दर ज्याणी

(संयुक्त राष्ट्र द्वारा भूमि संरक्षण के सर्वोच्च सम्मान “लैंड फॉर लाइफ अवार्ड” से सम्मानित)

संयोजक

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र
राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

www.familialforestry.org
X: @habitathealer · F: @habitathealer · Insta: @habitat_healer

पुस्तिका डिज़ाइन : Communication Department, Familial Forestry Mission

copyright loksankalp.org